SHRI K.G. KENYE (Nagaland): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।

श्री जावेद अली खान: महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से सम्बद्ध करता हूं।

†**جناب جاوید علی خان (اترپردیش):** مہودے، میں بھی خود کو اس موضوع کے ساتھ سمبدھ کرتا ہوں۔

SOME HON. MEMBERS: Sir, we also associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: Now, Dr. Ashok Bajpai. ...*(Interruptions)*... Whoever have raised their hands, if they send a slip, their names will be included for association. Next time, we will discuss about a new suggestion that has been given, rather than sending a slip.

Adverse effects of growing population of India

डा. अशोक बाजपेयी (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति जी, मैं आपका और सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि जिस तेजी के साथ भारत की जनसंख्या की वृद्धि हो रही है, उसके सामने विकास के जितने भी प्रयास किए जा रहे हैं, चाहे रोज़गार हो, चाहे प्रधान मंत्री आवास योजना के अंतर्गत सबको आवास देने की बात हो, ये सारे प्रयास बेमानी हो जाएंगे।

मान्यवर, आज विश्व की 17.5 फीसदी आबादी हिन्दुस्तान में रहती है, लेकिन विश्व का केवल 2.5 प्रतिशत भू-भाग ही भारत के पास है एवं विश्व के सम्पूर्ण जल संसाधन का केवल 4 प्रतिशत भाग हमारे पास है और हमारी पॉपुलेशन विश्व की जनसंख्या की 17.5 फीसदी है। यह बहुत चिंता का विषय है। इस समस्या के निवारण का काम केवल सरकार के जिम्मे छोड़ देना उचित नहीं होगा, इसके लिए पूरे सदन को एकमत होना होगा, जिससे देश में एक ऐसा सामाजिक वातावरण बने, ताकि विभिन्न सामाजिक संस्थाएं स्वयं इसके लिए आगे आएं एवं जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में कोई कारगर प्रयास किए जाएं।

मान्यवर, अगर समय रहते जनसंख्या नियंत्रित न की गई, तो इस देश के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी हो जाएगी। 2022 तक हिन्दुस्तान की आबादी विश्व की सबसे बड़ी आबादी हो जाएगी, हमारी आबादी चाइना से भी ज्यादा हो जाएगी। 2050 आते-आते हमारी आबादी 1 अरब 60 करोड़ होगी और इतने लोगों के लिए इस देश मे रहना और उनके लिए आवास, रोज़गार, भोजन और स्वास्थ्य

†Transliteration in Urdu script.

सेवाएं दे पाना बड़ा कठिन काम होगा। जिस तेजी के साथ विकास के प्रयास हो रहे हैं, उसके लिए मैं सरकार को बधाई देता हूं। जिस तरह विभिन्न क्षेत्रों में सरकार ने तेजी के साथ विकास की योजना को आगे बढ़ाया है, लोगों के जीवन-स्तर को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने का काम किया है, अगर उसी तेजी के साथ जनसंख्या को नियंत्रित करने की दिशा में भी कोई कारगर कदम न उठाया गया, तो ये सारे प्रयास निष्फल हो जाएंगे, मैं इतना ही कहना चाहता हूं।

श्री विजय पाल सिंह तोमर (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति महोदय, मैं माननीय, डा. अशोक बाजपेयी जी द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं। इनकी बात से मैं पूरी तरह सहमत हूं। देश की आबादी के बाद, 1951 में हमारे देश की आबादी करीब 36 करोड़ थी और अब जो लेटेस्ट सर्वे हुआ है, उसके अनुसार हमारी आबादी करीब 135 करोड़ के आस-पास पहुंच चुकी है। 2 करोड़ प्रति वर्ष के हिसाब से हमारी आबादी बढ़ रही है। इसके कारणों की गहराई में जाना जरूरी है। जैसा माननीय सदस्य ने बताया कि हमारे पास विश्व के टोटल भू-भाग का केवल 2.5 प्रतिशत है, लेकिन हमारे यहां विश्व की कुल आबादी के 17.5 प्रतिशत लोग रहते हैं। दुनिया के 6-7 देशों को मिलाकर जितने लोग रहते हैं, उतने अकेले भारत में हैं। अमरीका, इंडोनेशिया, ब्राज़ील, पाकिस्तान, बंगलादेश, जापान इत्यादि देशों की कुल आबादी जितनी है, उतनी केवल भारत की है।

श्री सभापतिः आप अपनी बात समाप्त कीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री विजय पाल सिंह तोमरः सर, मैं एक बात और कहना चाहता हूं, इसमें सबसे मुख्य दो कारण हैं, एक तो जो भगवान और अल्लाह के नाम पर बच्चे पैदा हो रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः धन्यवाद, श्री रवि प्रकाश वर्मा।

श्री विजय पाल सिंह तोमरः सर, मुझे एक सेकेंड का समय और दीजिए, मैं अपनी बात पूरी कर लूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः नहीं, आपकी बात हो गई।

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

श्रीमती छाया वर्मा (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

श्री राम विचार नेताम (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री सुरेश गोपी (नाम निर्देशित): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री विनय दीनू तेंदुलकर (गोवा): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

SHRI K.G. KENYE (Nagaland): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

Corruption in implementation of MUDRA Yojana Scheme

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश)ः सर, मैं आपके माध्यम से एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे पर सदन का ध्यान खींचना चाहता हूं। युवाओं में व्याप्त बेरोज़गारी की समस्या के समाधान के लिए भारत सरकार की ओर से माननीय प्रधान मंत्री जी ने एक 'मुद्रा ऋण योजना' की घोषणा की थी और उसको बहुत hype दिया गया था। यह भी पता लगा है कि इसमें बहुत बड़े पैमाने पर लोन दिए जा रहे हैं, लेकिन इसमें कुछ दिक्कत है। 'मुद्रा ऋण योजना' सरकार की बहुत महत्वाकांक्षी योजना है, लेकिन इसमें दलालों का और बैंक मैनेजर्स का nexus बन गया है, जिसके कारण बैंकों का जो फाइनेंस है, वह खराब हो रहा है। मुझे लगता है कि बहुत बड़े पैमाने पर ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: I am not able to understand why Monday has become a special day. People are getting involved into side talk. I request every one of you that if you want to talk, please go out.

श्री रवि प्रकाश वर्माः सर, मेरा समय कम हो रहा है।

श्री सभापतिः मैं यह आपको नहीं कह रहा हूं। समय की समस्या को मैं समझ लूंगा, आप चिंता मत करिए।

आप सबसे मैं कहना चाहता हूं कि जो लोग बात कर रहे हैं, वे कृपया बाहर जाकर आपस में बातचीत करके, फिर वापस आ सकते हैं। इसमें कोई आपत्ति नहीं है। पहले भी मैंने यह कहा था कि यदि किसी को भी मंत्रियों सहित किसी मेम्बर से मिलना है, तो आप वहीं जाकर, उनकी बगल में चुपचाप बैठकर, क्वाइटली बात करिए। खड़े होकर बात करना अच्छी बात नहीं है। बार-बार मुझे इन्हीं बातों को कहना पड़े, यह शोभा नहीं देता है। चेयरमैन को बार-बार यह कहना पड़ता है कि सामने से हट जाइए। आप सभी लोग इस बात को गंभीरता से लीजिए, क्योंकि हम सबके आचरण को पूरे भारत के लोग देख रहे हैं।

श्री रवि प्रकाश वर्माः सर, मुझे टाइम का प्रोटेक्शन दीजिए।

श्री सभापतिः टाइम मैं देख लूंगा, चिंता की कोई बात नहीं है। आप बहुत महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा कर रहे हैं।

श्री रवि प्रकाश वर्माः सर, मेरा जो जनपद है, वहां लखीमपुर खीरी में बहुत बड़े पैमाने पर बैंक मैनेजर्स और दलालों के नेक्सस का प्रकरण सामने आया है, जिसमें बहुत सारे लोग ठगे गए हैं। उसमें FIRs भी दर्ज कराये गये हैं। आपके माध्यम से सरकार से मेरा आग्रह है कि वह "मुद्रा ऋण योजना" की effective monitoring के लिए कोई special committee बना कर जांच कराने का काम करे, जिससे युवाओं को ठगे जाने से बचाया जा सके एवं बैंकों का NPA बढ़ने से रोका जा सके। सर, बैंकों के जो कर्मचारी कमीशनखोरी करके लोगों को लोन दे रहे हैं, NPA बढ़ा रहे हैं, उनको दंडित करने का प्रावधान किया जाना चाहिए। मैं यह बात आपके माध्यम से सबके सामने लाना चाहता हूं, धन्यवाद।